रणजीत टाइम्स

RNI - NO. MPHIN/2015/64585

वर्ष- 12 अंक - 3

साप्ताहिक अख़बार

इंदौर प्रति मंगलवार , 15 अप्रैल 2025 से 21 अप्रैल 2025 तक

पृष्ठ - 8 मूल्य - 2 रू.

सलमान को घर में घुसकर मारेंगे, बम से उड़ाएंगे कार

● गैलेक्सी अपार्टमेंट में हुई फायरिंग के सालभर बाद फिर मिली धमकी, शिकायत दर्ज

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को फिर एक बार जान से मारने की धमकी मिली है। मुंबई के वर्ली स्थित ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट में अज्ञात शख्स ने वॉट्सऐप मैसेज कर सलमान खान की कार को बम से उड़ाने की बात कही। रविवार देर रात भेजे गए इस मैसेज में लिखा है- हम सलमान खान को घर में घुसकर मारेंगे। मुंबई की वर्ली पुलिस अज्ञात के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(2)(3) के तहत शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पिछले साल 14 अप्रैल को सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में फायरिंग हुई थी। इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। इस केस में पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें से एक आरोपी ने खुदकुशी कर ली है। लॉरेंस गैंग से लगातार मिल रही धमकियों पर सलमान खान ने कुछ समय पहले ही पहली बार चुप्पी तोड़ी। फिल्म 'सिकंदर' की प्रेस मीट में एक्टर ने कहा कहा था-भगवान-अल्लाह ने जितनी उम्र लिखी होगी, उतनी जरूर जिएंगे। सिक्योरिटी बढ़ाई

जाने पर सलमान ने कहा,कभी-कभी इतने लोगों को साथ लेकर चलने से दिक्कत हो जाती है। 2023 में लॉरेंस गैंग से धमकी मिलने के बाद ही सलमान की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। उन्हें महाराष्ट्र सरकार की तरफ से एक्स+ कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है। 11 जवान हर समय साथ रहते हैं, इसमें एक या दो कमांडो और 2 जवान भी शामिल होते हैं। सलमान की गाड़ी के आगे और पीछे एस्कॉर्ट करने के लिए दो गाड़ियां हमेशा रहती हैं। इसके साथ-साथ सलमान की गाड़ी भी पूरी तरह बुलेटप्रूफ है। गैलेक्सी अपार्टमेंट में हुई फायरिंग के बाद जनवरी में सलमान के अपार्टमेंट की बालकनी बुलेटप्रूफ कर दी गई है। साथ ही हाई रिजोल्यूशन कैमरे भी चारों तरफ लगाए गए हैं। ठीक एक साल पहले 14 अप्रैल को सुबह करीब 5 बजे सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में 7.6 बोर की बंदूक से 4 राउंड फायरिंग हुई थी। इस समय सलमान खान घर में ही मौजूद थे।

बाबा साहेब ने सर्वहारा समानता के लिए दिया है आरक्षण : सीएम

● सीएम बोले-समाज के बंधुत्व और उत्थान के लिए डॉ.अम्बेडकर के कार्य भूतो न भविष्यति ● कहा-डॉ. अम्बेडकर के योगदान से ही भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बना है

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने 20वीं शताब्दी में ऐसे अनेकों उल्लेखनीय कार्य किए, जिनसे 1000 वर्ष की गुलामी की विसंगतियां दूर हुईं। इन्हीं के आधार पर आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बना है। डॉ. अम्बेडकर के जीवन के योगदान बहुआयामी हैं, उन्हें भारत में भविष्य की चुनौतियों का आभास हो चुका था, यद्यपि उनका जीवन बहुत कठिनाई के साथ बीता, लेकिन वे ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने स्वयं के संघर्ष से सीख ली और अपने जैसे दूसरे लोगों की मदद की। बाबा साहेब ने स्वयं की शिक्षा में कोई कसर नहीं रहने दी, इससे यह प्रेरणा मिलती है कि व्यक्ति के जीवन में शिक्षा में कभी कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर द्वारा समाज के बंधुत्व और उत्थान के लिए किए गए कार्य भूतो न भविष्यति हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा साहेब ने समूचे समाज को आरक्षण जैसी व्यवस्था प्रदान की। आज अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सहित हर वर्ग को साक्षरता का लाभ मिल रहा है।

अनुसूचित जाति वर्ग की साक्षरता जो कभी मात्र 1.5 प्रतिशत थी, आज 59 प्रतिशत तक पहुंच गई है। भविष्य में जब-जब कठिनाई आएगी, हम सर्वहारा वर्ग के सशक्तिकरण का ध्यान रखेंगे। डॉ. अम्बेडकर ने सामाजिक सशक्तिकरण के लिए मजबूत संविधान बनाया और देश को लोकतंत्र दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. अम्बेडकर से जुड़े सभी स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में मान्यता दी। महू स्थित भीम जन्मभूमि को तीर्थ के रूप में विकसित करने में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सुंदरलाल पटवा और श्री शिवराज सिंह चौहान का योगदान महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भीम जन्मस्थली महू में धर्मशाला निर्माण के लिए 3.5 तीन एकड़ जमीन दी जा रही है। इससे यहां आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा होगी, सभी आगंतुकों की संपूर्ण सुविधा का प्रबंध राज्य सरकार की ओर से किया जाएगा।

पीएनबी घोटाले का आरोपी मेहुल बेल्जियम में गिरफ्तार

● भारत की प्रत्यर्पण अपील के बाद ऐक्शन,सेहत का हवाला देकर बेल मांग सकता है चोकसी

ब्रूसेल्स (एजेंसी)। पंजाब नेशनल बैंक से लोन धोखाधड़ी मामले में आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को पुलिस ने बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारतीय जांच एजेंसियों के प्रत्यर्पण की अपील पर 12 अप्रैल को उसकी गिरफ्तारी हुई, फिलहाल वह जेल में है। भारत ने बेल्जियम के साथ चोकसी के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस ने चोकसी को गिरफ्तार करते समय दो गिरफ्तारी वारंट का हवाला दिया। ये मुंबई की एक अदालत ने जारी किए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि वारंट 23 मई 2018 और 15 जून 2021 के थे। ऐसा माना जा रहा है कि चोकसी अपनी खराब सेहत का हवाला देते हुए जमानत और तत्काल रिहाई की मांग कर सकता है। बेल्जियम में गिरफ्तारी के बाद मेहुल चोकसी ने अपने खराब सेहत का हवाला देते हुए कोर्ट में जमानत मांगी है। उसकी ओर से कहा गया है कि इलाज कराने के लिए बेल्जियम आया था और अपनी पत्नी के साथ एंट्वर्प में रह रहा था।

लालू और तेजस्वी के लिए खड़ी की बड़ी मुश्किल

● ओबीसी,दलित और मुस्लिम वोटों पर किया फोकस ● एससी-एसटी वोटों को पाले में करने का चला दांव

पटना (एजेंसी)। बिहार के बहाने ही सही लेकिन कांग्रेस अब बदल रही है। छह दशक बाद अहमदाबाद में हुए दो दिवसीय अधिवेशन में पार्टी ने बदलाव की मंशा उजागर कर दी। कांग्रेस अब सर्व समाज की पार्टी की छवि बदल देगी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में उसे ओबीसी, दलित और मुस्लिम समाज से सर्वाधिक उम्मीद है। कांग्रेस को लगता है कि जिस तरह सवर्ण भाजपा के साथ सट-बंध गए हैं, उससे उनके वोटों की आस लगाना अब उसके लिए फायदेमंद नहीं होगा। अगर उसे अपनी खोई गरिमा हासिल करनी है तो दलित, पिछड़े और मुसलमानों जैसे बहुजन पर दांव लगाना ही ठीक रहेगा। इनकी आबादी तकरीबन 85 प्रतिशत है। कांग्रेस का यह चिंतन उसे कामयाबी दिला पाएगा या नहीं, पर उसका कन्फ्यूजन इसमें साफ झलकता है। उसे इस बड़ी आबादी की राजनीति के लिए पहले क्षेत्रीय दलों से निपटना पड़ेगा, जिनका जन्म ही जातियों के आधार पर हुआ है। कांग्रेस ने तय किया है कि वह सत्ता में आने पर एससी-एसटी उपयोजना के लिए केंद्रीय कानून बनाएगी। इनकी आबादी के हिसाब से बजटीय आवंटन की गारंटी देगी। सुनने में यह बात बेहद अच्छी लगती है। अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति के लिए उसकी चिंता भी इसमें साफ दिखती है। पर, देश में सर्वाधिक समय तक सत्ता में रहने के दौरान कांग्रेस को यह बात क्यों नहीं सूझी। कांग्रेस सिर्फ 11 साल से सत्ता विहीन है। फिर भी दो राज्यों- कर्नाटक और तेलंगाना में उसकी सरकारें हैं। अगर कांग्रेस का यह नीतिगत निर्णय है तो वह अपने शासन वाले दोनों राज्यों में प्रयोग के तौर पर यह नीति क्यों नहीं अपनाती। दलित, पिछड़े और मुसलमानों की चिंता में दुबली होती जा रही कांग्रेस यह भूल जाती है कि दलित, मुस्लिम और ब्राह्मण कभी उसके जनाधार रहे, लेकिन अब उनका कांग्रेस से मोह भंग हो चुका है। कांग्रेस ने अपने बड़े मुस्लिम लीडर आरिफ मोहम्मद खान की परवाह नहीं की। गुलाम नबी

आजाद के किनारे होने पर उसे कोई कोफ्त नहीं हुई। कांग्रेस शासन में दंगों के सर्वाधिक शिकार मुसलमान हुए। पर, कभी कांग्रेस ने इसकी परवाह नहीं की। नतीजा सामने है। कालांतर में मुसलमानों ने इलाकाई पार्टियों में अपना ठौर तलाश लिया। लालू प्रसाद यादव, मुलायम सिंह यादव और ममता बनर्जी जैसे लोगों की पार्टियां कांग्रेस के बजाय मुसलमानों को रास आने लगीं। मुसलमानों की मदद से राज्यों में बनी कांग्रेस की सरकारें आहिस्ता-आहिस्ता अपदस्थ होती गईं। बिहार में 17 फीसद मुसलमान आरजेडी के साथ चले गए। यूपी में मुसलमान समाजवादी पार्टी में अपनी भलाई देखने लगे। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस से मुसलमानों की उम्मीदें पूरी होने लगीं। बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश में लंबे समय तक शासन करने वाली पार्टी का हश्र सामने है। बिहार में दिव्यांग बन कांग्रेस लालू यादव की पीठ-कंधे की सवारी के लिए अब भी मजबूर है। बंगाल में तो ममता बनर्जी ने कांग्रेस का नामोनिशान मिटा दिया है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने ही किसी तरह जिंदा रखा है।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

एक तलाश कोई तो मदद करे

कड़वी बाई निवासी द्वारकापुरी उम्र 75 वर्ष दिव्यांग है, उन्हें दोनों आंखों से नहीं दिखता है, दिनांक 15 अप्रैल दुपहर 2 बजे से ही द्वारकापुरी, ऋषि पेलेस के क्षेत्र में घूम रही थी, एक तलाश कोई तो मदद करे। कुछ वर्ष पहले लड़कों ने बेटी के पास छोड़ दिया था अब बेटी भी रखने को तैयार नहीं थी, संस्था कृष्णसखी के कार्यकता आर्यन गजरे को फोन के माध्यम से कड़वी बाई की जानकारी रात्रि 11 बजे प्राप्त हुई, तुरंत ही शशि सातपुते जी, अध्यक्ष संस्था कृष्णसखी व मध्यप्रदेश एनजीओ महासंघ द्वारा अपना घर प्रकल्प की संचालिका उमा ठाकरे जी, अध्यक्ष दयानिधि संस्था व रूपेंद्र जैन जी को सूचना कर के कड़वी बाई को रात्रि में आश्रय भिजवाया गया। अब हमारा प्रयाय रहेगा इनके बच्चों को द्वारकापुरी थाने की मदद से बुला कर समझाया जाए और कड़वी बाई फिर एक बार अपने परिवार के साथ रह सके यदि यह संबंधन नहीं हुआ हम सदैव उनका परिवार बन कर उनके साथ अवश्य देंगे...

नगर में हुआ त्रय मुनिराजो का मंगल प्रवेश

आशीष शर्मा

सनावद–अनेक त्यागियों की नगरी नगर सनावद में रविवार को त्रय मुनिराजो मंगल प्रवेश बासवा से सनावद नगर में हुआ।सन्मति जैन काका ने बताया की चर्या शिरोमणी आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 प्रणय सागर जी महाराज मुनि श्री 108 सर्वार्थ सागरजी महाराजएवं मुनिश्री 108सौम्य सागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश धर्मनगरी सनावद में रविवार 13 अप्रैल 2025 को प्रातः 7.00 बजे बासवा की ओर से हुआ जिनकी आगवानी नगर में विराजित अंतर्मुखी मुनि श्री 108 पूज्यसागर जी महाराज सहित सभी समाजजन ने खंडवा रोड से मुनिश्री ने अगवानी की तत्पश्चात त्रय मुनिराजो ने नगर में जैन मंदिरों के दर्शन कर किए पश्चात बड़े मंदिर के सामने स्थित आचार्य शांति सागर वर्धमान देशना संत निलय में सभा की शुरुआत भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समकक्ष दीप प्रज्वलन से हुई । दीप प्रज्वलन मुनिश्री प्रणय सागर जी महाराज को बिहार कर रहे संघपति सारंग कुमार जैन सारिका जैन एवं पढरपुर से पधारी दीदियों ने किया मंगला चरण नरेंद्र भारती ने किया ।मुनिश्री पूज्य सागर जी महाराजने अपने उद्बबोधन में कहा की जब दो परिवार आपस में मिलते हे तो निश्चित रुपं से जो सुख की अनुभति होती हे उत्साह होता हे आज हमे भी इस प्रकार के अनुभूति हुई हे की दो संघों के साधुओं का आपस में उठना बैठना इस बात का परिचालक हे की एक संयमी के प्रति एकं संयमी का कैसे आदर सम्मान विनय का भाव होना चाहिए। हमें निश्चित रूप से एकं दुसरे की वैयावर्ती करना ओर वैयावर्ती के साथ विनय का भाव रखना यही साधु के पास आदान ओर प्रदान का कारण बनता हे। जीवन हमारे लिए कितना अमूल्य हे आप लोगों के लिए भी समय अमूल्य हे क्योंकि आगे आठ दिनों तक आप के नगर में साधुओं का समागम मिलने वाला हे आप साधुओं की सेवा वैयावृती आहार करवा कर आप पुण्य का संचय कीजियेगा। इसी क्रम में मुनिश्री प्रणय सागरजी महाराज ने कहा की हमें इस विश्व में इस जीवन में यदि कामयाबी पाना है तो उसका

एक मूल मंत्र हे माइंड सेट यदि हमे मोक्ष पाना हे तो भी हमे माइंड सेट करना पड़ेगा। जीवन में लखपति करोड़पति भी बनना हे जीवन में किसी भी क्षण पे कही भी कामयाबी पाना होता उसका मूल मंत्र हे माइंड सेट यदि माइंड सेट नहीं हे तो आप कभी भी कामयाब नहीं हों सकते हे। इसी क्रम में रात्रि में मुनिश्री के द्वारा आनंद यात्रा गुरुभक्ति एवं भक्तों के द्वारा आरती की गई।

बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की 134 जयंती पर मुख्यमंत्री कन्या विवाह संपन्न

शिवकुमार राठौड़

कसरावद. डॉ भीमराव अंबेडकर की 134 जन्म जयंती पर कसरावद उपज मंडी में विशाल मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह संपन्न हुआ जिसमें 205 वर वधू परिणय सूत्र में बंधे हैं यह एक ऐतिहासिक पल याद रहेगा जो बाबा साहब के जन्म दिवस पर बलाई समाज के द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह संपन्न हुआ।

इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक सचिन सुभाष यादव कसरावद पहुंचे जहां पर उन्होंने बाबा भीमराव अंबेडकर की स्टेचू पर माला अर्पण कर वहीं से सामूहिक विवाह स्थल पहुंचे मंच पर सामूहिक विवाह समिति के सदस्यों द्वारा उनको नीला सापा बंधा गया। जहां पर उनके द्वारा वर वधु को शुभकामनाएं दी गई। सामूहिक विवाह समिति के अध्यक्ष राजेश

बागदरे और समाज को ऐसे ही आगे बढ़ने की पहल की गई वहीं प्रशासनिक अधिकारी सत्येंद्र बेरवा एसडीएम, शेफाली अग्रवाल नायब तहसीलदार, रीमा अंसारी जनपद पंचायत सीईओ, जनपद अध्यक्ष सारिका राजेश बागदरे उपस्थित रहे।

लायंस क्लब की जीईटी कॉर्डिनेटर अनिता भागचंद जैन ने दोनों नव वर वधुओं को तिलक लगाकर कन्याओं को कन्यादान स्वरूप गृह उपयोगी सामग्री भेंट की

आशीष शर्मा

सनावद-गायत्री शक्तिपीठ में सोमवार को दो बेटियों सरिता और आरती का आदर्श विवाह गायत्री पद्धति से किया गया। इस अवसर पर लायंस क्लब की जीईटी कॉर्डिनेटर अनिता भागचंद जैन ने दोनों नव वर वधुओं को तिलक लगाकर कन्याओं को कन्यादान स्वरूप गृह उपयोगी सामग्री भेंट की। इस अवसर पर दीपिका वर्मा,मधु चौहान,सरोज सिंह एवं भारती परिहार ने भी नव वर वधुओं को उपहार दिए। जैन ने नव वर वधू के सुखद और समृद्ध दांपत्य जीवन की कामना की। उल्लेखनीय है कि जैन ने 175 कन्याओं के कन्यादान का संकल्प लिया और अभी तक 94 कन्यादान कर चुकी हैं। नव वर वधू के परिजनों ने जैन और उनकी साथियों का सम्मान किया।

दोगावां पुल से निकल रहे तीन हाईवा सहित बलकर वाहन ग्रामीणों की मदद से पकड़े

ग्रामीणों ने पुलिस को दी सूचना, पुलिस ने की कारवाई

शिवकुमार राठौड़

कसरावद.कसरावद तहसील के ग्राम दोगावा पुलिया जो कसरावद से सनावद को जोड़ती है उसे पुलिया को क्षतिग्रस्त होने के कारण कलेक्टर द्वारा वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित किया है इसके आदेश को पालन नहीं करते हुए वाहन निकाले जा रहे हैं दोगावा

की पुलिया क्षतिग्रस्त है कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है कलेक्टर के आदेश के बावजूद भी बलकर एवं हाईवा वाहन निकलते हैं जिससे पुलिया कभी भी टूट सकती है और बड़ा हादसा हो सकता है जिला कलेक्टर के आदेश का परिपालन नहीं करने के बावजूद भारी वाहन निकल रहे थे देर रात होने पर भारी वाहन निकलते हैं जिसको लेकर ग्रामीणों एवं जिला अध्यक्ष प्रतिनिधि बंटी तवर द्वारा वाहनों को रोककर पुलिस थाना कसरावद पर सूचना दी गई। पुलिस द्वारा वाहनों को पुलिस थाने पर लाकर खड़ा किया गया एवं थाना प्रभारी राजेंद्र बर्मन के आदेश पर पुलिस द्वारा विभिन्न धाराओं पर कार्रवाई की गई।

मध्य प्रदेश में बेहतरीन पुलिस अफसर के नाम से जानी जाती है रजनी सिंह चौहान

सोशल मीडिया पर वीडियो बनाने का उद्देश्य युवाओ को कामयावी हांसिल करने के लिए प्रेरित करना है

ऋषि गोस्वामी शिवपुरी

मॉडल को बंधक बनाने वाले सिरफिरे ने माथे पर तान दिया था कट्टा

सीरियल क्लार्क देखकर मर्डर करने वाले आरोपी पर निकले थे 34 केस

शिवपुरी। पोहरी पुलिस थाने में पदस्थ रजनी सिंह चौहान की। इन महिला अफसर को शिवपुरी में ही नही अपतु पूरे मध्य प्रदेश में लोग एक बेहतरीन पुलिस अफसर के नाम से जानते है। इन महिला अफसर के सोशल मीडिया पर कई एकाउंट है और उन एकाउंटो पर लाखो की संख्या में फॉलोअर्स है रजनी सिंह का कहना है कि सोशल मीडिया पर वीडियो बनाने का उनका मुख्य उद्देश्य युवा पीढी को कामयावी हांलिक करने के लिए प्रेरित करने का है जिससे युवा दिन रात मेहनत कर अपने माता-पिता व अपने गांव की मिटटी का नाम रोशन कर सके। सोशल मीडिया से उनकी इनकम हो ऐसी उनकी कोई चाह नही है सोशल मीडिया ने इनकम के लिए उनसे उनके बैंक खाते मांगे थे लेकिन उन्होने नही दिए इस कारण से सोशल मीडिया पर आना उनका उद्देश्य जागरुकता और युवा पीढी में जोस भरना मात्र है। रजनी सिंह चौहान मूलतः मध्य प्रदेश के भिंड की रहने वाली है उनका जन्म 7 जुलाई 1989 का है पुलिस विभाग में वह वर्ष 2012 में आ गई थी शुरुआती दिनो में उन्होने एक

वर्ष की ट्रेनिंग की और इसके बाद दो स्टार बनकर उनको सबसे पहला थाना शिवपुरी जिले का देहात थाना मिला इसके बाद दूसरा थाना सिटी कोतवाली तीसरी पोस्टिंग लुकवास चौकी प्रभारी रही इसके बाद करीब 6-8 माह तक वह कोलारस पुलिस थाने में भी रही। उनको निर्भया प्रभारी भी बनाया गया महिला प्रकोष्ट में भी वह प्रभारी के रुप में पदस्त रही इसके बाद फिर से वह सिटी कोतवाली शिवपुरी आई और जब उनका विवाह हो गया तो वह मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंच गई। यहा पर वह कई पुलिस थाना में रही और अभी तक उनके पास दो स्टार ही थे। उनका प्रमोशन वर्ष 2021 में हुआ और वह टीआई बन गई और इसके बाद वह मध्य प्रदेश के निवाडी जिले में पहुंची और लगभग दो वर्ष तक महिला थाने में थाना प्रभारी के पद पर पदस्थ रही इसके बाद वह वापस शिवपुरी आई और लगभग एक वर्ष तक फिजिकल पुलिस थाने पर थाना प्रभारी के रुप में पदस्थ रही। वर्तमान में वह जिले के पोहरी पुलिस थाने में थाना प्रभारी के रुप में पदस्थ है।

अपने कार्यकाल के दौरान वर्ष 2012 की एक घटना को लेकर चर्चा करते हुए उन्होने बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत ढाई वर्ष की एक मासूम बालिका के साथ रेप की घटना घटित हुई थी जिसमे उन्होने 24 घंटे में कोर्ट में चालान पेश किया था इस मामले में आरोपी को 10 वर्ष की सजा हुई थी एक अन्य घटना को लेकर उन्होने बताया कि जब वह भोपाल में थी उस समय एक मॉडल को बंधक बनाने की घटना घटित हुई थी इस घटना में 18 घंटे रेसक्यू ऑफरेशन चला था जिसमें आरोपी ने मेरे ऊपर कट्टा भी तान दिया था वह आरोपी मॉडल का सिरफिरा आशिक था इस मामले में रजनी सिंह चौहान को प्रशस्ती पत्र मिला था डीजीपी रिषी कुमार शुक्ला के द्धारा। एक अन्य घटना के बारे में उन्होने बताया कि एक आरोपी सीरियल देखकर बारदातो को अंजाम देता था आरोपी ट्रक ड्राइवरो को लूटता था इस मामले में जब कार्यवाही हुई तो उस आरोपी पर वर्ष 2010 में मर्डर के 34 केस निकले थे इस केस के बाद रजनी सिंह चौहान को रुस्तमजी अवार्ड मिला था इसके साथ ही पचास हजार रुपये की नगद राशि का पुरुषकार भी मिला था। आगे अपने संदेश में युवा पीढी के लिए उन्होने कहा कि युवाओ को अच्छी पढाई लिखाई कर अपने माता पिता का नाम रोशन करना चाहिए। समाज के लिए उनका संदेश है कि समाज को हमेशा अपराध करने से बचना चाहिए। इसके साथ ही समाज के लोग सायवर प्रोड से बचे और हमेशा जागरुक रहे। उन्होने आखरी में कहा कि मुझे पुलिस की नौकरी बहुत अच्छी लगती है और में इस नौकरी को पूरी तरह से इनजॉय करती हूँ और किसी भी मामले की जांच को पूरी लगन और महनत के साथ करती हूँ।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा डां भीमराव अम्बेडकर की जयंती क्षेत्रीय विधायक मनोज चौधरी के मुख्य आतिथ्य में मनाई गई

संजय प्रेम जोशी

हाटपिपल्या। बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की जयंती नगर मंडल के सभी बुथो पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की जयंती उत्साह के साथ मनाई गई मुख्य आयोजन नगर मंडल के हाटपिपल्या नगर में हुआ जहां भारतीय जनता पार्टी द्वारा संविधान निर्माता डां भीमराव अम्बेडकर की जयंती क्षेत्रीय विधायक मनोज चौधरी के मुख्य आतिथ्य में डां भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा स्थल पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जयंती मनाई गई इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक मनोज चौधरी मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सैधव ग्रामीण मंडल अध्यक्ष संतोष पाटीदार विजय शक्तावत अरूण राठौर बापूलाल धौसरिया कृपाल सिंह सैधव महेंद्र यादव निर्भय सिंह तलाया प्रवीण सक्सेना भुजराम जाट राहुल तंवर कपिल तंवर रमेश संदूकलिया नीतिन तंवर संदीप मालवीय राजकिशोर जायसवाल अर्जुन सैधव जुगल रलोती मोहन पटेल कपिल शर्मा यशवंत चौहान समेत अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

अच्छे राजनैतिज्ञ एवं समाज सुधारक भी थे डॉ. अम्बेडकरः विधायक प्रीतमसिंह

रणजीत टाइम्स जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी) पिछोर क्षेत्रीय विधायक प्रीतमसिंह लोधी द्वारा 14 अप्रेल सोमबार को संबिधान निर्माता, भारतरत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण, पूजा अर्चना कर नमन किया! अंबेडकर जयंती के दौरान विधायक प्रीतमसिंह लोधी ने संविधान निर्माता बावा साहेब अम्बेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुऐ कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने हमारे भारत के संबिधान का निर्माण किया जिससे आज हमारा भारत का लोकतंत्र संविधान के अनुसार चलायमान है। उन्होंने कहा कि 14 अप्रेल 1891 को जन्मे डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी भारत में लोकप्रिय थे। वे विधिवक्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाजसुधारक भी थे। उन्होंने जातिपाति के भेदभाव के विरूद्ध अभियान चलाया था। श्रमिकों, किसानों और महिलाओं के अधिकारों का समर्थन भी किया था। आज हम उनकी जयंती के अवसर पर उन्हें शत शत नमन करते हैं। कार्यक्रम के दौरान पिछोर मंडल अध्यक्ष राहुल राहोरा, मायापुर मंडल अध्यक्ष रामकुमार यादव,विधायक प्रतिनिधि सुनील लोधी, आशीष चौधरी, करण सिंह लोधी, मुकेश पंसारी, भाजपा पूर्व जिला मंत्री तथा पार्षद पूनम सोनी, जिला मंत्री राजकुमारी लोधी, आदि सैकड़ो लोगों की उपस्थिति में जन समुदाय उपस्थित था!

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अख़बार

सिंगोली बंद, सीएम ने दिए कठोर कार्रवाई के आदेश

नीमच जिले के ग्राम कछाला में तीन जैन संतों के साथ बीती रात छह बदमाशों ने मारपीट की, जिससे संतों के शरीर पर गंभीर चोट आई। इसके विरोध में जैन समाज द्वारा आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर सिंगोली बंद का आव्हान किया गया। हालांकि, पुलिस ने आरोपियों को रात को ही गिरफ्तार कर लिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए नीमच कलेक्टर हिमांशु चंद्रा, एसपी अंकित जायसवाल सिंगोली पहुंचे। यहां संतों से मिलकर उनका हाल जाना और जैन समाज के प्रतिनिधियों से चर्चा की।

सिंगोली की ओर से जैन संत शैलेष मुनि, बालभद्र मुनि और मुनींद्र मुनि रविवार को विहार कर नीमच की ओर आ रहे थे। सूर्यास्त होने पर तीनों जैन संत सिंगोली थाना क्षेत्र के ग्राम कछाला स्थित हनुमान मंदिर में विश्राम के लिए रुक गए। इसी दौरान रात करीब 12 बजे तीन बाइक से कुछ बदमाश वहां पहुंचे। बदमाशों ने पहले मंदिर के सामने बैठकर शराब पी। उसके बाद मंदिर में विश्राम कर रहे जैन संतों के पास पहुंचे और उनसे रुपये मांगने लगे, जब मुनियों ने मना किया तो बदमाशों ने जैन मुनियों के साथ मारपीट शुरू कर दी। जान बचाने के लिए एक जैन मुनि सड़क की ओर भागे। उन्होंने रास्ते से गुजर रहे बाइक सवार से मदद मांगी। उससे समाज के लोगों को फोन करने के लिए कहा। बाइक सवार ने जैन समाज के कुछ लोगों को फोन किया। सूचना पर कछाला गांव के लोग भी आ गए। लोगों को आता देख चार बदमाश मौके से भाग निकले, जबकि दो बदमाशों को लोगों ने पकड़ लिया। थोड़ी देर बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने रात में ही सभी बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। सिंगोली निवासी प्रदीप जैन ने बताया कि रविवार रात करीब 10-30 बजे मुनि महाराज कछाला गांव के हनुमान मंदिर में सोए हुए थे। यहां बदमाशों ने उनके साथ लाठी-डंडे से बुरी तरह से मारपीट की। उनके कपड़े फाड़ दिए। जानकारी मिलने पर संतों से निवेदन कर अपने साथ सिंगोली लेकर लाए। मुनिजनों ने अस्पताल जाने से भी मना कर दिया, जिसके बाद तीनों जैन संतों को जैन स्थानक भवन में रुकवाया। यहीं तीनों संतों का इलाज जारी है। घटना के विरोध में जैन समाज की ओर से सोमवार को नगर बंद का आह्वान किया गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर हिमांशु चंद्रा, एसपी अंकित जायसवाल सहित अन्य अधिकारी सिंगोली पहुंचे। यहां उन्होंने जैन संतों के स्वास्थ की जानकारी ली और जैन समाज के प्रतिनिधियों से चर्चा कर शांति बनाए रखने की अपील की। इधर, घटना के विरोध में कछाला गांव के रहवासियों का गुस्सा भी फूट पड़ा और सोमवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण सिंगोली थाने पहुंचे और प्रदर्शन किया। गांव वालों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि इस घटना से गांव बदनाम हो रहा है।

एसपी बोले- मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी

इस मामले में नीमच एसपी अंकित जायसवाल का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्वों ने जैन मुनि महाराज के साथ मारपीट की है। इस मामले में सिंगोली पुलिस ने फरियादी पवन पिता भगवानलाल मेहता निवासी अहिंसा पथ सिंगोली के आवेदन पर प्रकरण दर्ज कर जैन मुनियों के साथ मारपीट करने वाले आरोपी गणपत पिता राजू नायक, गोपाल पिता भगवान जाति भोई, कन्हैयालाल पिता बंशीलाल भोई, राजू पिता भगवान भोई, सभी निवासी भोई का खेडा जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) तथा बाबू शर्मा पिता मोहन शर्मा निवासी धनेत टोकरिया जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) सहित एक नाबालिग को गिरफ्तार किया गया, जिनको माननीय न्यायालय पेश किया जाएगा। नीमच एसपी अंकित जायसवाल ने बताया कि ये बहुत गलत घटना है। पुलिस ने रात में ही टीम बनाकर आरोपियों को पकड़ा है। सख्त कार्रवाई की जा रही है। विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने बताया कि ये घटना निंदनीय है। जैन समाज के लोगों से बातचीत की गई है। समाज की तरफ से पूरा सहयोग मिल रहा है। पदयात्रा करने वाले संतों को सुरक्षा दी जाएगी।

जीतू पटवारी ने कहा-

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी मामले में कठोर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि नीमच जिले के सिंगोली क्षेत्र में जैन संतों पर प्राणघातक हमले की चिंताजनक सूचना मिली! अहिंसावादी भगवान महावीर के अनुयायियों के साथ हुई यह अमानवीयता स्तब्ध करने वाली है! ऐसी जानकारी मिली है कि असामाजिक तत्वों ने नशेड़ियों के साथ मिलकर इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को अंजाम देने का दुस्साहस किया है! स्पष्ट है कानून-व्यवस्था यहां भी ध्वस्त है! मोहन सरकार सत्ता नशे को जिस निरंकुशता के साथ सरकारी संरक्षण और बढ़ावा दे रही है, उसकी आंच आज धर्म-ध्वजा उठाने वाले पूजनीय संतों तक आ पहुंची है! भाजपा सरकार को तत्काल पूरे प्रदेश में संतों की सुरक्षा को नए सिरे से निर्धारित करना चाहिए! सिंगोली घटना की त्वरित जांच व कठोर कार्रवाई भी तुरंत सुनिश्चित चाहिए!

मामले में सीएम डॉ. मोहन यादव ने भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की जानकारी मिली कि कल रात को नीमच जिले के सिंगोली में कुछ लोगों ने शराब पीकर जैन मुनियों के साथ अभद्र व्यवहार किया है। हमने तुरंत टीम बनाकर उन पर कार्रवाई की है। हमने संदेश भी दिया है कि ऐसी किसी भी घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भिंड में संत समाज का ऐतिहासिक आंदोलन: तपती धूप और जलते कंडों के बीच दी गई भूख हड़ताल की चेतावनी

भिंड। भिंड-ग्वालियर नेशनल हाईवे-719 को सिक्स लेन बनाने और गौ अभ्यारण्य की स्थापना की मांग को लेकर संत समाज का आंदोलन चौथे दिन भी जारी रहा। रविवार को इस आंदोलन ने एक ऐतिहासिक मोड़ लिया, जब रामकिशनदास दूधिया महाराज 'पायलट बाबा' चिलचिलाती धूप और तपती गर्मी में जलते कंडों के बीच बैठकर करीब दो घंटे तक तपस्या में लीन रहे। यह आंदोलन हाईवे पर हो रही लगातार दुर्घटनाओं और जनहानि के विरोध में शुरू किया गया था। संत समाज का कहना है कि इन सड़क हादसों में न सिर्फ आम लोग, बल्कि गौमाता भी अकाल मृत्यु का शिकार हो रही हैं, और यही कारण है कि संत समाज ने इस आंदोलन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया।संत समाज के सैकड़ों संत स्थल पर राम नाम संकीर्तन कर रहे थे और संत समाज के कल्याण के लिए भजन गाते हुए ईश्वर से प्रार्थना कर रहे थे। संत समाज के जिला अध्यक्ष काली दास महाराज ने स्पष्ट रूप से कहा कि जब तक हाईवे 719 की डीपीआर तैयार नहीं हो जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने नेताओं की घोषणाओं पर विश्वास न होने की बात भी कही और यह चेतावनी दी कि कल से संत समाज भूख हड़ताल पर बैठ सकता है।

दिल्ली के मध्यप्रदेश भवन में ओबीसी आरक्षण पर हाई-लेवल बैठक: महासंघ की दलील, सरकार ने उठाए कदम

जबलपुर। मध्यप्रदेश में 27त्न ओबीसी आरक्षण मामले को लेकर दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में एक हाई-लेवल बैठक हुई। इस बैठक में राज्य के एडवोकेट जनरल और महाधिवक्ता कार्यालय के कई सदस्य शामिल हुए। बैठक में ओबीसी के अनहोल्ड पदों पर भर्ती प्रक्रिया और न्यायिक माध्यम से ओबीसी के होल्ड पदों को अनहोल्ड करने की संभावना पर चर्चा हुई। ओबीसी महासंघ की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के वकील वरुण सिंह और प्रदेश के राघवेंद्र ने भाग लिया। बैठक में 27त्न ओबीसी आरक्षण के खिलाफ अभिमत और ओबीसी युवाओं द्वारा आत्महत्या के मुद्दे को भी उठाया गया। वरुण सिंह ने कहा कि इस न्यायिक लड़ाई में कई युवाओं की जिंदगी प्रभावित हुई है और यह लड़ाई उनके लिए तबाह करने वाली साबित हुई है। बैठक में यह भी कहा गया कि ओबीसी के 27त्न आरक्षण कानून को चुनौती नहीं दी गई है, बल्कि केवल भर्ती सर्कुलर को चुनौती दी गई है, जिससे कानून पर कोई असर नहीं पड़ता। ओबीसी महासंघ ने यह दलील दी कि सरकार ओबीसी के 27त्न आरक्षण के हिसाब से भर्ती प्रक्रिया को जारी रख सकती है।एडवोकेट प्रशांत सिंह ने बैठक में यह बताया कि सरकार ओबीसी आरक्षण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है और ओबीसी आरक्षण से संबंधित सभी याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करवाई गई हैं और उनकी सुनवाई की प्रक्रिया जारी है।

संविधान का महाकुंभ: आम नागरिक शपथ विधि समारोह एवं संविधान कॉमिक का नाट्य

मंचन आयोजन कर्ता डॉ. अक्षय कान्ति बम

इंदौर। दिनांक 14 अप्रैल 2025 को भारतीय संविधान के 75वाँ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में अमृत महोत्सव के अंतर्गत माननीय प्रधानमंत्री जी के KYC (Know Your Constitution) विज़न को साकार करने हेतु मध्य प्रदेश शासन के संसदीय कार्य मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से डॉक्टर अक्षय कांति बम द्वारा संविधान के महाकुंभ का गरिमापूर्ण आयोजन रवींद्र नाट्य गृह में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने भारत के आम नागरिकों को संविधान शपथ दिलाई और इसी के साथ इंदौर इंस्टीट्यूट आफ लॉ ने तीन रिकॉर्ड वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और वर्ल्ड बुक ऑफ स्टार रिकॉर्ड्स बनाकर अपना नाम इतिहास के पन्नों पर दर्ज कराया। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने समस्त नागरिकों के त्याग, संयम और समर्पण की प्रशंसा की और राष्ट्रगीतों के

लिए नमन एण्ड साउन्ड ग्रुप के सदस्यों की सराहना की। नगर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, भाजपा से सुमित मिश्रा ने अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराकर आयोजन की गरिमा को बढ़ाया। कार्यक्रम की शुरुआत आए हुए अतिथियों द्वारा भारतरत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण कर किया गया, साथ ही आइकॉन एजुकेशन सोसायटी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। अन्य गणमान्य अतिथियों ने इस अद्भुत एवं अनूठे संविधान के महाकुंभ के आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा की यह विश्व में पहली बार है जब आम नागरिक अपने संविधान के प्रति प्रतिबद्धता हेतु शपथ ले रहा है, साथ ही आपने संविधान के कॉमिक नाट्य मंचन द्वारा संविधान की महत्वपूर्ण बातों को जन-जन तक जनहित में प्रसारित करने हेतु कांतिलाल बम एवं अक्षय कान्ति बम को साधुवाद दिया । आयोजन में प्रदेश भर से अतिथि के रूप में मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायक रमेश मंदोला, विधायक गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड, विधायक महेंद्र हार्डिया, विधायक मधु वर्मा, सुश्री उषा ठाकुर दीदी, मनोज पटेल, श्रवण चावडा, जीतू जिराती एवं चिंटू वर्मा आदि पधारे। डॉ. महेंद्र सिंह जो की दिल्ली से विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे थे आपने अपनी ओजस्वी वाणी से भारत की ऐतिहासिक और पृष्ठभूमि पर अपने विचार प्रकट किए और रामायण से लेकर महाभारत काल तक के भारत का उल्लेखनीय वर्णन किया 7 साथ ही कार्यक्रम में संविधान पर आधारित कॉमिक पुस्तिका जिसके लेखक मानव चौहान है का नाट्य मंचन रंगरूपिया नाट्य मंडली के कलाकारों द्वारा किया गया, जिसमें संविधान की मुख्य विशेषताओं को रोचक तरीके से आम नागरिकों के मध्य रख संविधान की महती भूमिका को समझाया गया 7 संस्था द्वारा सभी कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

खंडवा में पानी की मांग पर एफआईआर: SDM की धमकी, महिलाओं ने कहा- "जेल में पानी तो मिलेगा"

खंडवा। पानी की मांग को लेकर हुई एक चक्काजाम पर एफआईआर दर्ज कर दी गई है। रविवार को बाहेती कॉलोनी के निवासी, जिनमें महिलाएं और पुरुष शामिल थे, नलों में पानी न आने के कारण मुख्य सड़क पर चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। सोमवार को पुलिस ने चक्काजाम में शामिल 8 लोगों और निगम नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ मामला दर्ज किया। स्थानीय महिलाओं के अनुसार, खंडवा स्छरूबजरंग सिंह बहादुर ने उन्हें एफआईआर करने की धमकी दी थी, जो बाद में वायरल हो गया। इस पर महिलाओं ने कहा कि यदि उन्हें जेल जाना पड़ा तो वहां कम से कम पानी मिलेगा। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने इस कार्रवाई को गलत बताते हुए कहा कि जब जनता को पानी जैसी बुनियादी सुविधा नहीं मिल रही है, तो उनका विरोध करना जायज है। उन्होंने अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की बात की। नर्मदा जल योजना की पाइपलाइन बार-बार टूटने के कारण जल आपूर्ति में बाधा उत्पन्न हो रही है, और नगर निगम ने टैंकरों से पानी भेजने का प्रयास किया, लेकिन वह पानी पीने योग्य नहीं है।

पर्यावरण बचाओ अभियान : व्यापक जन आंदोलन का पूर्वाभास

हरनाम सिंह

इंदौर शहर की हरियाली को बचाने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय है। कुछ जुनूनी लोगों ने व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से बड़ी तादाद में लोगों को जोड़ने में जो सफलता प्राप्त की है वह अभूतपूर्व है। 13 अप्रैल को गांधी प्रतिमा स्थल पर बनी मानव श्रृंखला जिसमें बच्चे, बूढ़े ही नहीं विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त प्रबुद्ध जनों ने शिरकत की, शहर के पर्यावरण और भावी पीढ़ी के प्रति उनकी चिंता, उनकी संवेदनशीलता को प्रकट करती है।झ

अब पहला सवाल यह है कि मानव श्रृंखला के बाद आंदोलन का स्वरूप क्या होगा ? दूसरा सवाल क्या शासन स्तर पर आंदोलन के बारे में कोई भी प्रतिक्रिया सामने क्यों नहीं आई है ? समाचार पत्रों और मीडिया के अन्य माध्यमों के अनुसार मानव श्रृंखला में कुछ राजनीतिक दलों के सदस्यों की भागीदारी का उल्लेख सामने आया है। माना जाना चाहिए की इस प्रदर्शन में सत्ता रूढ़ दल के सदस्य उनके समर्थक भी शामिल हुए ही होंगे। इन सबके बीच जनप्रतिनिधियों विशेष कर नगर निगम पार्षदों, विधायकों, सांसदो विभिन्न स्वायत्त निकाय के प्रतिनिधियों ने आंदोलन से जुड़ना उचित नहीं समझा। वे जानते हैं कि उनकी चुनावी राजनीति को ऐसे मुद्दे प्रभावित नहीं करते इसलिए सब मौन है।माना जा सकता है कि उनके अनुसार पर्यावरण कभी चुनावी मुद्दा बन ही नहीं सकता, इसलिए मुट्ठी भर सिरफ़िरों की परवाह करने की जरूरत नहीं है।

इतिहास गवाह है की राज्य सत्ताएं निर्मम और असंवेदनशील होती है। हिंसक आंदोलनों पर तो फिर भी उनका ध्यान चला जाता है। लेकिन अहिंसक आंदोलन की वे परवाह नहीं करते। ऐसा कहने के पीछे मेरा यह आशय कतई नहीं है कि हमें आंदोलन में हिंसक तरीकों का उपयोग करना चाहिए। प्रतिकात्मक स्वरूप गांधी प्रतिमा स्थल का चुनाव ही इस बात का प्रमाण है की बापू आज भी सब के लिए प्रेरक हैं। धरना, प्रदर्शन, भूख हड़ताल, असहयोग आंदोलन आदि के माध्यम से इंदौर की हरियाली को बचाने के बारे में विचार किया जा सकता है।

आंदोलनो की विफलता के कारण

जंगलों को काटने से बचाने के लिए देश में कई आंदोलन हुए हैं। कुछ तो अब भी चल रहे हैं। इन सब में कुछ आंदोलन ही सफल हो सके हैं। कुछ को सीमित सफलता ही मिल सकी है। देखा गया है कि आंदोलनो को व्यापक राजनीतिक समर्थन न मिल पाने के कारण सरकारों पर दबाव नहीं बन पाता है। अक्सर सरकार वनों की कटाई को आर्थिक विकास से जोड़ती है। उसका प्रचार तंत्र रोजगार पैदा करने, आवास उपलब्ध करवाने जैसे प्रलोभन देकर आंदोलन को कमजोर करने में सफल हो जाते हैं। सरकार की कोशिश आंदोलनकारियों को थका देने की होती है। संसाधनों की कमी भी जन समर्थन बनाए रखने में असफल होती है। बेहतर संगठन, कानूनी सहायता, व्यापक जनभागीदारी के साथ इंदौर की हरियाली को बचाने की दिशा में काम किया जा सकता है। अमूमन सरकारें पूंजी पतियों के हितों के लिए काम करती है। इसके लिए वह झूठ बोलती है, झूठा प्रचार करती है। पर्यावरण बचाओ अभियान को जन विरोधी बताने का प्रयास करती है। झूठे आश्वासन देती है। शासको का प्रचार तंत्र समाज में नित नए ऐसे मुद्दे उछालता है, जिससे पर्यावरण संरक्षण आंदोलन कमजोर हो। उसे विभाजित किया जा सके। ऐसे सब प्रयासों, षड्यंत्रों से सावधान रहकर आंदोलन की अल्पकालीन और दीर्घकालिक योजना बनाने की जरूरत है। ताकि वृक्षों को कटने से रोका जा सकता है। मेरा मानना है कि जब तक पर्यावरण के आंदोलन को चुनावी राजनीति से नहीं जोड़ा जाएगा, तब तक सफलता मिलना आसान नहीं है। सरकारें, उम्मीदवार चुनाव में वोट न मिलने के जोखिम से ही डरते हैं। चुनाव प्रचार के मुद्दों में पर्यावरण को लाने से ही जनप्रतिनिधि पर्यावरण हितैषी नीतियां लागू करने पर विवश होंगे। अन्यथा भ्रष्ट राजनीति पूंजी पतियों के आगे नतमस्तक बनी रहेगी।

जिम्मी मगिलिगन की याद में सस्टेनेबल डेवलपमेंट सप्ताह आज से

इंदौर। जिम्मी और जनक मगिलिगन फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल डेवेलपमेंट द्वारा पदमश्री डॉ. (श्रीमती) जनक पल्टा मगिलिगन के प्रिय पति स्वर्गीय जेम्स (जिम्मी) मगिलिगन ओ.बी.ई. की पुण्यतिथि की 14 वीं वर्षगांठ को समर्पित जिम्मी मगिलिगन सस्टेनेबल डेवलपमेंट स्मृति सप्ताह आयोजित कर रहा है। इस सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सभी आयु वर्ग के अधिक से अधिक लोगों को भारत में 2030 तक सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स को प्राप्त करने में योगदान देने के लिए सशक्त बनाना हैं।

जेम्स (जिम्मी) मगिलिगन, उत्तरी आयरलैंड के निवासी ब्रिटिश नागरिक ने अपना ड्रेनेज एवं भूमि सुधार व्यवसाय और घर-परिवार छोड़कर यू.के. बहाई पायनियर के रूप में भारत में सेवा करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। बरली ग्रामीण महिला संस्थान के मैनेजर 1986 से 2011 तक 25 वर्षों तक बरली परिसर को एक आदर्श सस्टेनेबल डेवलपमेंट मॉडल के रूप में विकसित किया। उन्होंने झाबुआ-अलीराजपुर क्षेत्रो से निरक्षर लड़कियो को पढ़ना लिखना, कौशल, स्वास्थ्य, जैविक खेती के साथ साथ उन्हें मिटटी, पेड़ व प्राणीयों में सदभावना बढ़ाने के साथ साथ सोलर थर्मल कूकर से जल-जंगल व जीवन बचाने का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने इस संस्थान के कैंपस को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सस्टेनेबल डेवलपमेंट के मॉडल के रूप में विकसित किया। पहले सोलर किचन की स्थापना की जिसपर 150 व्यक्तियों के लिए खाना बनता है। एक साल में 300 दिन लकड़ी और 9 गैस सिलेंडरों की बचत हर महीने जीरो वेस्ट लाइफस्टाइल के पानी संरक्षण खेती की तकनीक उन्होंने झाबुआ और धार जिलों के स्कूल हॉस्टल के साथ- साथ अनाथालय के श्रद्धानंद आश्रम में भी बड़े सौर समुदाय के रसोई घर बनाए और स्थापित किए। उनके नेतृत्व में घरेलू उपयोग के लिए 500 से अधिक सोलर कुकर देश के विभिन्न ग्रामीण और आदिवासी समुदायों में सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं।

जनक और जिम्मी ने वहाँ गाँव सनावदिया में घर बनाया लेकिन इसके पूरा होने से पहले उन्होंने सोलर एंड विंड पावर स्टेशन बनाया और स्थापित किया जो दिसम्बर 2010 से गाँव के 50 आदिवासी परिवारों को मुफ्त बिजली की आपूर्ति कर रहा है और अब जनक उन्हें निशुल्क बिजली दे रही है। उन्होंने गांव सनावदिया में 2 किलो वाट विंड-सोलर हाइब्रिड सिस्टम की परिकल्पना, योजना और स्थापना की, जिससे 50 भूमिहीन आदिवासी परिवारों के लिए 19 स्ट्रीट लाइट्स को पिछले 15 वर्षों से मुफ्त बिजली आपूर्ति जारी है।

21 अप्रैल 2011 को एक दुर्घटना में जिमी के आकस्मिक निधन के बाद, उनकी पत्नी जनक पल्टा मगिलिगन ने अपने निवास स्थान को जिम्मी मगिलिगन सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवेलपमेंट में परिवर्तित कर, सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए लोगों को प्रशिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया। वे अब तक एक लाख 82 हजार 900 से अधिक लोगों को बिना किसी शुल्क के प्रशिक्षित कर चुकी हैं। वे जैविक सेतु की सह-संस्थापक हैं, स्वच्छता अभियान में भारत के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की ब्रांड एंबेसडर के रूप में कार्य कर रही हैं और कई कॉलेजों व विश्वविद्यालयों से आए इंटर्न्स, मेंटर्स और स्टार्टअप्स को प्रशिक्षित कर चुकी हैं।

- जिम्मी मगिलिगन मेमोरियल वीक फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट कार्यक्रम अंतर्गत आज 15 अप्रैल मंगलवार को सोलर कुकिंग फूड फेस्टिवल सामूहिक सोलर कुकिंग कार्यक्रम

- 16 अप्रेल बुधवार को सस्टेनेबल इंटर्नशिप विकसित भारत के लिए स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, डीएवीवी, इंदौर डॉ. (श्रीमती) जनक पल्टा मगिलिगन, बबीता राहेजा निदेशक (राहेजा सोलर फूड प्रोसेसिंग), सुश्री तुहिना झा एवं सिद्धार्थ लोढ़ी प्रशिक्षण देंगे

- 17 अप्रैल को आर्ट एंड साइंस फॉर सस्टेनेबल लिविंग प्रशिक्षण श्री श्री रविशंकर विद्या मंदिर, गांव सनावदिया डॉ. (श्रीमती) जनक पल्टा मगिलिगन, ज्वलंत शाह निदेशक, स्वाहा रिसोर्स मैनेजमेंट

- 18 अप्रैल शुक्रवार को सस्टेनेबल फूड फॉर हेल्थ ऑफ़ पीपल एंड प्लैनेट, लाइफ केयर हॉस्पिटल, डॉ. ब्रजबाला तिवारी के साथ ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर के पास डॉ. (श्रीमती) जनक पल्टा मगिलिगन, इंजीनियर अम्बरीश केला, संस्थापक, जैविक सेतु, इंदौर

- 19 अप्रैल शनिवार को सस्टेनेबल सॉल्यूशंस फॉर मैनेजिंग क्लाइमेट क्राइसेस इन इंडिया, श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस, गुमाश्ता नगर, इंदौर, डॉ. (श्रीमती) जनक पल्टा मगिलिगन, रोहित अग्रवाल, निदेशक, स्वाहा रिसोर्स मैनेजमेंट

- 20 अप्रैल रविवार को सस्टेनेबल फूड प्रोसेसिंग यूज़िंग सोलर टेक्नोलॉजीज, रा?हेजा सोलर फूड प्रोसेसिंग, अग्रवाल परिसर, नायता मुंडला, नेमावर रोड, पालदा, इंदौर, डॉ. (श्रीमती) जनक पल्टा मगिलिगन, श्रीमती बबीता राहेजा, घनश्याम लूखी, प्रबंध निदेशक, तापी फूड प्रोडक्ट्स, सोलर फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज़ ङ्क सूरत एवं युगांडा

- 21 अप्रैल सोमवार को जिमी मगिलिगन मेमोरियल प्रार्थना सभा, तत्पश्चात भोजन प्रसादी का आयोजन जिम्मी और जनक का गिरिदर्शन ग्राम सनावदिया में होगा।

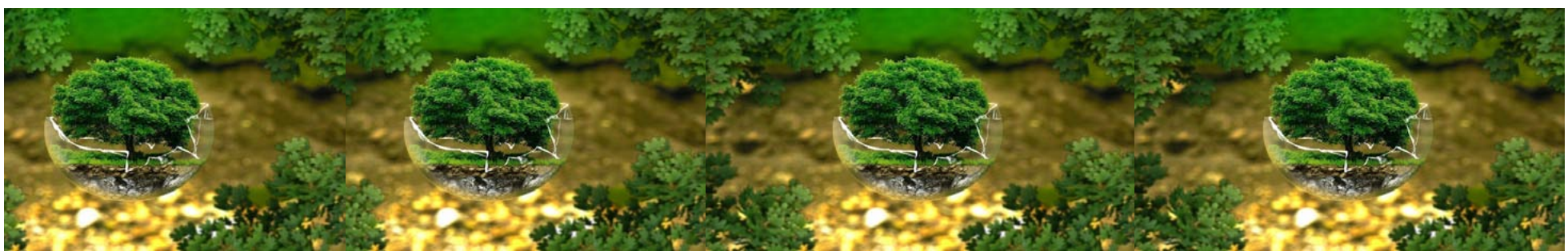

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अख़बार

ना करें पैसों से जुड़ी ये गलतियां

अक्सर महिलाओं की ये समस्या होती है कि घर का खर्च ज्यादा हो रहा है और पैसों से जुड़ी बचत नहीं हो पा रही है। यहां निवेश और बचत की नहीं खर्च की बात हो रही है। घरों में आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल कुछ ऐसी हो गई है कि लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि उनका इतना खर्च आखिर कैसे बढ़ गया है। ये सब कुछ पैसे से जुड़ी कुछ गलतियों के कारण होता है।

आम तौर पर यही देखा जाता है कि पति और पत्नी एक दूसरे से इसके बारे में बात नहीं करते। पत्नी घर संभाल रही हो या फिर बाहर काम कर रही हो तो भी इसके बारे में बातें नहीं की जातीं। बच्चे अगर पढ़ने की उम्र में हैं या टीनएज हो गए हैं तो उन्हें भी अक्सर घर पर ये नहीं बताया जाता है कि निवेश और बचत की जरूरत क्या है। हफ्ते में कम से कम एक बार सभी को बैठकर घर और पैसे के खर्च से जुड़ी बातें करनी चाहिए। इससे वो खर्च भी सामने आ जाता है जिसका शायद अंदाजा भी नहीं होता। ये घर का बजट बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

पहले खर्च फिर जो बचा वो निवेश

हमारी भारतीय संस्कृति में एक आम कहावत है कि 'जितनी चादर है उतना ही पैर पसारो' । ये बहुत अच्छा कथन है, लेकिन इसे हमें थोड़ा सा बदलना होगा क्योंकि हम हमेशा जितना खर्च है उतना कर लो और उसके बाद जो बचा वो बचत। इससे समस्या ये होती है कि जरूरत से अधिक खर्च भी हो जाता है और बचत कम रह जाती है। इसे थोड़ा सा बदलने की जरूरत है और कमाई के बाद एक निश्चित बचत और उसके बाद जितना बचा उसे खर्च करना चाहिए। ये बजट आसानी से बन सकता है कि महीने में कितनी बचत की जा सकती है।

बचत और निवेश का अंतर न समझना

मान लीजिए आप हर महीने की आय में से कुछ पैसे बचा लेते हैं, लेकिन क्या इन पैसों को बचाने से सिर्फ काम हो जाता है? जी नहीं, बचत और निवेश में काफी अंतर है जिसे समझने की जरूरत है। पैसे ड्रॉअर में पड़े रहें या फिर वो बैंक के सेविंग्स अकाउंट में रखा है तो उससे हमारे भविष्य के लिए कोई फायदा हो रहा है? बिलकुल नहीं। तन्वी जी का कहना है कि उनके पास बहुत से लोग आते हैं और वो यहीं मात खा जाते हैं। उन्हें निवेश इस बारे में सोचकर करना चाहिए कि भविष्य में ये कितना रिटर्न देगा।

अपनी बचत और निवेश को ऑटोमैटिक मोड पर नहीं डालना

बैंक की आरडी या एफडी जिसका ऑटोमैटिक पैसा कटता है वो ज्यादा सही है। भले ही बचत और निवेश का कोई भी मोड हो पैसा ऑटोमैटिक हर महीने कटना चाहिए। कारण ये है कि अगर बचत हर वक्त नहीं होगी तो हम उस कमाई को खर्च करने के लिए उत्सुक रहेंगे। अकाउंट में या जेब में ज्यादा पैसा होने का मतलब है कि उसे खर्च करने का लालच भी बढ़ जाएगा। अगर सैलरी आते ही एक अच्छे फाइनेंशियल एक्सपर्ट की मदद से पैसे निवेश कर देंगे तो हमारा भविष्य सुरक्षित होगा।

अपने पैसे को अलग-अलग जगह न निवेश करना

पैसा है आपके पास तो क्या हर बार वो एक ही तरह से निवेश किया जाएगा? कई लोग सिर्फ FD बनाते रहते हैं, कुछ को पोस्ट ऑफिस की NSC अच्छी लगती है, लेकिन इसका सीधा सा मतलब ये होता है कि पैसे के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं किया जाता। कारण ये है कि अगर एक ही तरह से पैसा निवेश होगा तो खतरे की स्थिति में एक ही साथ उसके खर्च होने या फिर डूब जाने की गुंजाइश भी होती है।

फाइनेंशियल भाषा से डरना और रिस्क न लेना

इंसान का दिमाग जो चीज समझ नहीं पाता वो उससे हमेशा डरता रहता है और ये बहुत आम घटना है कि लोग खुद को फाइनेंशियल भाषा सिखा नहीं पाते। ऐसे में उन्हें जानकारी न के बराबर रहती है। होता ये है कि ऐसी स्थिति में निवेश के समय हम बहुत ज्यादा सोच विचार में लग जाते हैं और कई बार डर के कारण रिस्क नहीं ले पाते। इससे बाद में नुकसान होने की गुंजाइश है।

कर्ज को न समझना

बहुत से लोगों के पास होम लोन होता है, कार का लोन होता है, क्रेडिट कार्ड से खर्च होता है। अर्थव्यवस्था में कर्ज की दरें लगातार बढ़ती और घटती रहती है। ऐसे में हमारे कर्ज पर भी असर पड़ता है। किसी भी तरह के लोन को हमेशा फाइनेंशियल एक्सपर्ट से हर साल रिव्यू करवाना चाहिए। क्या पता ब्याज की दर इससे कम हो सके। इसी तरह से क्रेडिट कार्ड सबसे महंगा तरीका है ऐसे में कई बार वो बहुत महंगा पड़ जाता है। कोशिश करें कि हर वक्त क्रेडिट कार्ड निकालने से बचें।

अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीदें ट्रैंडी जींस

जींस एक ऐसी कॉमन ड्रैस है, जो हर लड़की के वार्डरोब में जरूर मौजूद होती है। बाजार में कई स्टाइलिश जींस आ चुकी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीद सकती हैं। जींस खरीदने से पहले आपको यह जानना जरूरी है कि आजकल किस पैटर्न की जींस का चलन ज्यादा है। आज हम आपको जींस की इन्हीं वैरायटी के बारे में बता रहे हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी पसंद की जींस खरीदने में आसानी होगी.

रिप्ड जींस

रिप्ड जींस एक दशक से फैशन ट्रैंड में बनी हुई है। कॉमन यंग गर्ल्स से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रैस सभी में इसका क्रेज है। शायद ही कोई लड़की होगी जिसके वार्डरोब में रिप्ड जींस न हो। एक दशक पहले ट्रैंड में आई ये जींस आज भी लड़कियों की पहली पसंद बनी हुई है। इसमें जींस के कई हिस्से में कुछ स्लिट्स या कट्स बने होते हैं। कॉमन लैंग्वेज में इसे फटी जींस भी कहते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है, जिसे आप नहीं पहनतीं तो उसे ब्लेड से कट करके रिप्ड जींस का लुक दें सकती हैं। रिप्ड जींस को आप लॉन्ग कुर्ती या फिर किसी भी टॉप के साथ वियर कर सकती हैं। ये आपको कूल और स्टाइलिश लुक देगी।

बैगी जींस

बैगी जींस अपने लूज साइज की वजह से काफी कंफर्टेबल होती है। दो से तीन दशक पहले इस पैटर्न की जींस का काफी चलन था। एक बार फिर से इसका ट्रैंड लौट आया है। यही वजह है कि सैलेब्स में भी ये जींस काफी पॉपुलर है। ट्रैवलिंग के दौरान या कहीं आने-जाने के लिए एक्ट्रैस इसे कैरी किए नजर आती रही हैं।

पैच वर्क जींस

इन दिनों पैच वर्क जींस भी काफी पॉपुलर हैं। यंग गर्ल्स से लेकर सैलेब्स इसे पहने नजर आती रहती हैं। ये जींस अलग-अलग रंग के जींस के चौकोर टुकड़ों को एक साथ पैच करके बनाई जाती है, जो देखने में काफी युनीक और कूल लगती हैं।

बेल बॉटम जींस

पुराने जमाने में आपने हीरो-हीरोइन को फिल्मों में नीचे से खुली पैंट या जींस पहने देखा होगा। इस स्टाइल को बेल बॉटम स्टाइल कहते हैं। आजकल बेल बॉटम जींस का फैशन फिर से लौट आया है। ये जींस काफी कंफर्टेबल होती हैं। यंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वुमन बेल बॉटम जींस पहनना पसंद कर रही हैं।

स्किन फिट जींस

इसके नाम से ही क्लियर है कि ये जींस कैसी होगा। ये पूरी तरह स्किन टाइट होती है। ज्यादातर लड़कियां स्किन फिट जींस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन अगर कंफर्ट की बात करें तो ये उतनी आरामदायक नहीं होती। तब भी इस जींस का क्रेज लड़कियों में बना हुआ है। इसे आप अपनी मनपसंद कुर्ती या फिर टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।

एपल को अमेरिका में उत्पादन के लिए करना होगा इंतजार

नईदिल्ली, एजेंसी। आईफोन बनाने वाली एपल हर पांच में से एक फोन भारत में बना रही है। अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025 के बीच एक साल में इसने भारत में 1.90 लाख करोड़ रुपये या 22 अरब डॉलर मूल्य के फोन का निर्माण किया है। यह उसके पहले के साल की तुलना में 60 फीसदी अधिक है। साथ ही, यह चीन से दूर कंपनी के निरंतर विविधीकरण का नतीजा भी है। हालांकि, एपल का मानना है कि फिलहाल अमेरिका में ऐसे हालात नहीं हैं, जहां वे तत्काल आईफोन का उत्पादन शुरू कर सकें।

यह वृद्धि दर्शाती है कि आईफोन निर्माता और उसके आपूर्तिकर्ता चीन से भारत की ओर रुख कर रहे हैं। यह प्रक्रिया तब शुरू हुई जब कोरोना के कारण लगे कठोर लॉकडाउन ने एपल के सबसे बड़े प्लांट में उत्पादन को प्रभावित किया। भारत में निर्मित आईफोन का बड़ा हिस्सा दक्षिण भारत में स्थित फॉक्सकॉन के कारखाने में असेंबल किया जाता है। विस्ट्रॉन कॉर्प को खरीदने और पेगाट्रॉन कॉर्प के संचालन को नियंत्रित करने वाली टाटा समूह की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कंपनी भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

ट्रंप प्रशासन की जवाबी टैरिफ से छूट

ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार देर रात स्मार्टफोन और कंप्यूटर सहित इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों को जवाबी टैरिफ से छूट दे दी। यह एपल और एनवीडिया कॉर्प जैसी कंपनियों के लिए अच्छी खबर है। हालांकि यह छूट ट्रंप द्वारा चीन पर लगाए गए अलग से 20 फीसदी शुल्क पर लागू नहीं होती है, जिसका इस्तेमाल बीजिंग पर नकेल कसने के लिए दबाव बनाने के लिए किया गया था।

चीन पर शुल्क से भारत को फायदा

भारत में बने आईफोन पर अभी अमेरिका कोई शुल्क नहीं लगा रहा है। चीन पर चूंकि अमेरिका ने भारी भरकम शुल्क लगा दिया है, इसलिए एपल जैसी कंपनियों को अपनी आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव को तेज करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इसका सीधा फायदा भारत को होगा। हालांकि, करीब 200 आपूर्तिकर्ताओं और चीन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण अन्य देशों में जाने में कई साल लग सकते हैं।

अमेरिका में आईफोन बनाने में लगेगा समय

ट्रंप की अमेरिका में आईफोन बनाने की महत्वाकांक्षा के बावजूद एपल द्वारा जल्द वहां उत्पादन शुरू करने की संभावना नहीं है, क्योंकि उपकरणों के उत्पादन के लिए आवश्यक सुविधाओं और श्रम की कमी जैसे प्रमुख कारक हैं। एपल के सीईओ टिम कुक के मुताबिक, एपल की उत्पादन क्षमता का केवल 10 फीसदी चीन से बाहर ले जाने में आठ साल लगेंगे। एपल अब अपने पूरे आईफोन रेंज को भारत में ही असेंबल करता है। भारत के स्मार्टफोन बाजार में एपल की हिस्सेदारी लगभग 8 फीसदी है। वित्त वर्ष 2024 में इसकी बिक्री लगभग 8 अरब डॉलर तक पहुंच गई।

जयप्रकाश पावर का शेयर

कभी 75 पैसे थी कीमत, निवेशकों की है पैनी नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। ट्रंप टैरिफ के ऐलान के बाद से ही भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढाव देखने को मिल रहा है। बीते सोमवार को कारोबार के दौरान बाजार में करीबन 4000 अंकों की बड़ी गिरावट देखी गई थी। इसके बाद मंगलवार को कुछ रिकवरी हुई। बुधवार को फिर से बाजार गिर गया था और गुरुवार को महावीर जयंती के मौके पर बाजार बंद था। हालांकि, बीते शुक्रवार को शेयर बाजार में अच्छी तेजी देखी गई। भारत समेत विभिन्न देशों पर लगाए उच्च सीमा शुल्क को तीन महीनों के लिए टालने के अमेरिकी सरकार के फैसले से स्थानीय शेयर बाजारों में तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक

सेंसेक्स 1,310.11 अंक यानी 1.77 प्रतिशत उछलकर 75,157.26 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,620.18 अंक बढ़कर 75,467.33 तक पहुंच गया था। इससे निवेशकों की संपत्ति 7.85 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। इस बीच एक पावर कंपनी के शेयर भी फोकस में रहे। यह शेयर - जयप्रकाश पावर का है।

कंपनी के शेयरों के हाल

जयप्रकाश पावर के शेयर कारोबार के दौरान 3 प्रतिशत तक चढ़कर 14.80 रुपये पर पहुंच गए थे। कंपनी के शेयरों का 52 वीक हाई प्राइस 23.77 रुपये और 52 वीक का लो प्राइस 12.35 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 9,951.22 करोड़ रुपये का है। पिछले एक साल में शेयर में 16 फीसदी की गिरावट आई है। पिछले छह महीने में कंपनी के शेयर 32 प्रतिशत और इस साल अब तक 20 प्रतिशत तक टूट चुके हैं। हालांकि, पांच साल की लंबी अवधि में शेयर में करीबन 2,000 प्रतिशत तक की तेजी आई है। पांच साल पहले कंपनी के शेयर की कीमत केवल 70 पैसे थी।

कंपनी का कारोबार

बता दें कि जेपी समूह की प्रमुख पावर कंपनी है। इसकी स्थापना 21 दिसंबर, 1994 को हुई थी।

यह बिजली परियोजनाओं की योजना, विकास, कार्यान्वयन और संचालन करता है। कंपनी हाइड्रो और कोयला स्रोतों का उपयोग करके बिजली का उत्पादन करती है। समूह के पास हाइड्रो और थर्मल पावर सेक्टर में बिजली उत्पादन का विविध पोर्टफोलियो है। यह 400 मेगावाट विष्णुप्रयाग हाइड्रोपावर स्टेशन (उत्तराखंड) का संचालन करता है और इसने 300 मेगावाट बस्पा द्वद्ध और 1000 मेगावाट करछम वांगटू हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट (हिमाचल प्रदेश) का निर्माण किया है।

IIT-Indore: Last 5 years NIRF rankings

Established in 2009, the Indian Institute of Technology Indore is one of the eight new IITs set up by the Ministry of Education. Initially, the institute operated from a temporary campus at the Institute of Engineering and Technology of Devi Ahilya University, under the mentorship of IIT Bombay. The foundation stone for the permanent campus was laid by Arjun Singh, the then Union HRD Minister, on February 17, 2009. In the National Institutional Ranking Framework (NIRF), released by the Ministry of Education, IIT Indore was ranked 33rd in the overall category, with 16th spot in engineering, 27th place in research and 8th in management.

IIT Indore: NIRF Rankings

Here are the NIRF rankings for the Indore-based Institute in the last five years.

The above table indicates that over the past five years, IIT Indore's performance in the NIRF rankings has seen notable fluctuations. In the overall category, the institute was ranked 23rd in 2020 but witnessed a drop to 30th in 2021. While there was a slight improvement to 28th in 2023, the ranking further declined to 33rd in 2024, marking its lowest position in five years.

In the engineering category, IIT Indore has remained relatively stable, consistently ranking within the top 20. Its best performance was 10th in 2020, and despite slight fluctuations, it stood at 16th in both 2022 and 2024.

In the research category, introduced post-2020, shows a mixed trend. The institute maintained a steady 26th rank in 2021 and 2022, improved to 21st in 2023, but then fell to 27th in 2024, on the other hand under the management education, IIT Indore has performed consistently well, maintaining a spot in the top 10 nationwide throughout the five years—ranging from 6th to 8th place.

IIT Indore also provides various scholarships from both national and trust funds. The Institute also provides a national fellowship and scholarship for higher education of scheduled tribal students. The objective of the scheme is to provide financial assistance to deserving ST students to enable them to pursue higher education after completing a post-graduate degree. The candidates should have a minimum of 55 per cent marks at the final examination/grading at the PG level.

साइबर क्राइम रोकने के लिए बैंक फर्जी अकाउंट को करेंगे जब्त

बिना पैन खुले खातों की कड़ी निगरानी

मुंबई। फर्जी खातों के जरिए साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए बैंकों ने अवैध लेनदेन में शामिल खातों (म्यूल अकाउंट) को जब्त करने का अधिकार सरकार से मांगा है। उनका कहना है कि अधिकारियों से अनुमति लेने में कीमती समय बर्बाद किए बिना तेजी से कदम उठाने के लिए ऐसा जरूरी है। भारतीय बैंक संघ के एक कार्यसमूह ने अपनी रिपोर्ट में इसका प्रस्ताव रखा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि धोखेबाज बैंकिंग सिस्टम के जरिए अवैध रूप से धन की हेराफेरी करने के लिए फर्जी खातों का उपयोग करते हैं। बैंक हर साल ऐसे हजारों खातों को जब्त करते हैं, लेकिन धोखेबाज सिस्टम में खामियों का फायदा उठाकर जल्दी से नए खाते बना लेते हैं। इनसे निपटने के लिए बैंक बिना समय गंवाए और प्राधिकरणों की अनुमति लिए अवैध ट्रांजैक्शन में शामिल ऐसे खातों को तुरंत बंद करने की शक्ति मांग रहे हैं। कार्यसमूह ने कहा है कि इसके मद्देनजर, हम भारतीय रिजर्व बैंक को सुझाव दे सकते हैं कि वह आगे इस पर विचार करे।

अभी खाता जब्त करने का अधिकार नहीं- वर्तमान में बैंक अपनी आंतरिक सतर्कता प्रणाली के आधार पर ऐसे खातों को अस्थायी रूप से फ्रीज या ब्लॉक करते हैं। हालांकि, धन शोधन रोधक अधिनियम के अनुसार उनके पास अदालत या कानून प्रवर्तन एजेंसियों से मंजूरी लिए बिना ग्राहक खातों को जब्त करने का अधिकार नहीं है।

बिना पैन खुले खातों की कड़ी निगरानी- बैंकों ने प्रस्ताव दिया है कि स्थायी खाता संख्या (पैन) की अनुपस्थिति में मतदाता पहचान पत्र और फॉर्म 60 का उपयोग करके खोले गए बैंक खातों की कड़ी निगरानी हो।

क्या होते हैं म्यूल खाते

ये ऐसे बैंक खाते होते हैं, जो गैरकानूनी गतिविधियों से पैसा हासिल करने और उसे आगे भेजने का जरिया बनते हैं। भारत में ये खाते अक्सर ऐसे लोग खोलते हैं, जो कुछ पैसे, कमीशन या शुल्क लेकर दूसरे व्यक्ति को अपना बैंक इस्तेमाल करने देते हैं। इनका संचालन असल खाताधारक के स्थान पर कोई और व्यक्ति करता है। ये खाते किसी अन्य व्यक्ति के केवाईसी दस्तावेजों का उपयोग करके खोले जाते हैं।

पहचान आसान नहीं- हाल ही में हुई एक अध्ययन में पाया गया कि एक भारतीय बैंक में 10 में से 9 म्यूल खाते पकड़े नहीं गए। इन म्यूल खातों में शुरुआती गतिविध भारत के भीतर ही शुरू होने के बावजूद बैंक इसे पकड़ नहीं पाया।

जिस जनपद सीईओ ने भ्रष्टाचार में बनाए रिकॉर्ड,उस पर ग्राम पंचायतो के कार्यो में लाखो का कमीशन लेने का आरोप

- 3 बार लोकायुक्त ने रिश्वत लेते रंगे हाथो पकडा,कार्यकाल में हुआ 15 करोड़ के घोटाला का खुलासा,
- सवाल क्या भ्रष्टाचारी CEO के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यों की जांच करा सकेंगे जिला पंचायत सीईओ हिमांशु शर्मा...?

शिवपुरी। जिले की बदरवास जनपद में वर्तमान से पदस्थ चल रहे सीईओ अरविन्द्र शर्मा ने अपने कार्यकाल में यूं तो कई रिकॉर्ड हांसिल किए है लेकिन उनके नाम एक रिकॉर्ड और भी दर्ज हो गया, जिसमें उन्होने हाल ही में 10 सचिव व रोजगार सहायक पर निलंबित व सेवा समाप्त की कार्यवाही को अंजाम दिलाया है। अरविन्द्र शर्मा ने अपने कार्यकाल में बदरवास की 20 ग्राम पंचायतो में उजागर हुए करीब 15 करोड रुपये के घोटाले का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है इतना ही नही शर्मा ने अपनी पिछली पोस्टिंग में भी कई रिकॉर्ड बनाए है जिनमें से एक रिकॉड यह भी है कि शर्मा को 3 बार लोकायुक्त ने रंगे हाथों रिश्वत लेते पकडा है। एक अधिकारी के भ्रष्टाचार में इतने सारे रिकॉर्ड होने के बाद भी वह कुर्सी पर बैठकर नौकरी कर रहा है लेकिन शर्मा अभी भी अपनी नौकरी ईमानदारी से नही कर रहे है हाल ही में उन पर ग्राम पंचायतो में होने वाले कामो में कमीशन लेने के आरोप लगे है वह भी किसी अन्य व्यक्ति ने द्धारा नही लगाए गए है बल्कि वह आरोप एक सरपंच के द्धारा लगाए गए है। अब देखना होगा कि ग्राम पंचायतो में होने वाले कमो में अपना फिक्स कमीशन लेने वाले सीईओ की जांच वरिष्ट अधिकारी कराते है या फिर नही।

तीन बार लोकायुक्त टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथे पकडा

वर्तमान में बदरवास जनपद सीईओ के पद पर पदस्थ अरविंद शर्मा को पूर्व में 3 बार लोकायुक्त की टीम ने रंगे हाथों रिश्वत लेते पकडा है। शिवपुरी जिले की पोहरी जनपद में थे, वहां भी रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त ने रंगे हाथ पकड़ा था। वही कोरोना काल में अरविंद शर्मा की गाड़ी से विजयपुर थाना प्रभारी सतीश साहू ने 1.90 लाख रुपए बरामद किए थे। अरविंद शर्मा का कहना था कि वो रूपए ग्राम पंचायत गसमानी के सचिव के हैं। इसके अलावा अरविंद शर्मा एक विभागीय जांच में भी दोषी पाए गए और एक वेतन वृद्धि भी रोकी गई है। रीवा के एक मामले में तो लोकायुक्त ने पांच साल पूर्व से शासन को चालान पेश करने का प्रस्ताव भेजा है, जिसे अभी तक स्वीकृति नहीं मिली। जिसके चलते उक्त अधिकारी के हौसले बुलंद हैं। यही वजह है कि बदरवास जनपद पंचायत में 20 ग्राम पंचायत में हुए 15 करोड़ के घोटाले को अंजाम दिया। उक्त कार्रवाई में छोटे कर्मचारियों को तो वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा निलंबित या सेवा से बर्खास्त कर दिया, लेकिन जो प्रमुख रूप से जिम्मेदार हैं उक्त अधिकारी अभी नोटिस तक ही सीमित है।

स्वयम के कार्यकाल में हुआ 15 करोड का घोटाला

पूर्व में बदरवास जनपद पंचायतो की 20 ग्राम पंचायतो में करीब 15 करोड रुपये के घोटाला का खुलासा हो चुका है इस घोटाले के समय से वर्तमान के समय में भी जनपद सीईओ के पद पर अरविन्द्र शर्मा ही पदस्थ बने हुए है इस घोटाले के जागर होने के बाद प्रशासन के हाथ-पैर फूल गए थे प्रशासन के वरिष्ट अधिकारियो ने आनन फानन में 9 रोजगार सहायकों को निलंबित कर दिया था। साथ ही बदरवास जनपद के सहायक यंत्री अनिल सहायक पटेरिया, परियोजना अधिकारी स्नेहलता गुप्ता को कलेक्टर

रविंद्र कुमार चौधरी ने बर्खास्त कर दिया। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस पूरे मामले के मुख्य दोषी रहे जनपद सीईओ अरविंद शर्मा की जांच रिपोर्ट संभागायुक्त के पास है।

सचिव व रोजगार सहायको पर कराई कार्यवाही

बदरवास जनपद सीईओ अरविन्द्र शर्मा ने प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत होने वाले कामो में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए 10 ग्राम पंचायतों के सचिव व रोजगार सहायकों के विरुद्ध कार्रवाही कराने के लिए जिला पंचायत सीईओ को पत्र भेजा। जिसमें 10 पंचायतो के सचिवों के निलंबन व रोजगार सहायक की सेवा समाप्ति की कार्रवाही हुई।

ग्राम पंचायत में एक तालाब के 1.25 लाख लेने का आरोप

जनपद पंचायत बदरवास की ग्राम पंचायत चदोरिया के सरपंच कृपान सिंह यादव ने बदरवास सीईओ अरविन्द्र शर्मा पर ग्राम पंचायतो में होने वाले कामो में कमीशन लेने का आरोप लगाया है सरपंच ने कहा कि चदोरिया पंचायत में बने तालाब में सीईओ का 1 लाख से 1.25 लाख रुपये कमीशन होता है वही एई दिनेश चंन्द्र दिक्षित का भी 1 लाख से 1.25 लाख रुपये कमीशन, उपयंत्री रमेश कुशवाह का भी 1 लाख से 1.25 लाख रुपये व सचिव,रोजगार सहायक सहित मेरा भी हिस्सा होता है करीब पंचास प्रतिशत राशि कमीशन की बट जाती है बांकी पंचास प्रतिशत राशि को निर्माण कार्यो में खर्च किया जाता है। सरपंच ने यह आरोप खुले शब्दो में लगाए है क्या इन आरोपो के बाद इन अधिकारियो व कर्मचारियो के कामो की जांच विभाग के संबंधित वरिष्ठ अधिकारियो को नही करना चाहिए...? विभागीय सूत्र बताने है कि अगर उक्त अधिकारी के कार्यकाल के कामो की जांच की गई तो करोडो रुपये का फिर से घोटाला का खुलासा हो सकता है। जिसमें सीईओ से लेकर एई और उपयंत्री व सचिवो, रोजगार सहायको पर सीधी कार्यवाही होगी।

इन कार्यो की अभी तक नही हुई जांच

ग्राम पंचायत चदौरिया में पूर्व सरपंच शिवनन्दन सिंह यादव ने वर्ष 2021-2022 में सेमपुरा के रास्ते पर डग पॉइट का निर्माण कराया था लेकिन अब वर्तमान सरपंच कृपान सिंह यादव व उपयंत्री रमेश कुशवाह ने एई व सीईओ से मिलकर उसी स्थान पर डग पॉइट को चौडा और लम्बा कर नवीन तालाब निर्माण कार्य करा दिया और कागजो में नबीन तालाब निर्माण कार्य दर्शाकर उपयंत्री रमेश कुमार कुशवाह ने मस्टर बनाकर विभाग से भुगतान भी करवा दिया है।

कुछ माह पहले बने डग पाइंट पर भी बनाया तालाब

ग्राम पंचायत चदौरिया में ही वर्तमान सरपंच कृपाल सिंह यादव ने टोरिया के पास में वर्ष 2024 के अप्रैल-मार्च के माह में एक डग पॉइट का निर्माण कराया था लेकिन वर्तमान सरपंच और उपयंत्री ने एई व सीईओ से मिलकर उस पर भी भ्रष्टाचार की लखीर खींछ दी,और उस डग पॉइट को लम्बा चौडा कर उसे भी नवीन तालाब का रूप दे दिया और उपयंत्री रमेश कुमार कुशवाह ने उसे भी कागजो में नवीन तालाब के रुप में दर्शा दिया और मस्टर डाल दिए बताया जा रहा है कि तालाब निर्माण कार्य के 24.89 लाख रुपए भी निकाल लिए है।

आपने कहा

निर्माण कार्यो में ऊपर से नीचे तक सबका हिस्सा होता है पंचास प्रतिशत सरकारी राशि का हिस्सा होता है बांकी पंचास प्रतिशत निर्माण कार्यो में खर्च होती है।

कृपान सिहं यादव सरपंच ग्राम चदोरिया

आपने कहा

तालाब निर्माण में एक से सबा लाख रुपये का हिस्सा लेने का आरोप लगा रहे है वह झूठा है वह कुछ भी बोल सकते है वह यह आरोप कैसे लगा रहे है वही जाने ।

दिनेश चन्द्र दिक्षित एई बदरवास

आपने कहा

अगर सरपंच ने इस प्रकार के आरोप लगाए है तो आप मुझे रिकॉर्डिगं भेज दो में सबको देख लुगां। जांच कर संबंधित के खिलाफ कार्यवाही की जाऐगी।

हिमांशु जैन जिला पंचायत सीईओ

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड़, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)